दैनिक भास्कर
dainikbhaskar.com
ग्वालियर, शुक्रवार 29 मार्च, 2019

सुविधा • एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन सेंटर (एटीआईसी) से मिलेगी बागवानी-खेती से जुड़ी जानकारी

कृषि विश्वविद्यालय में बनेगा प्रदेश का दूसरा एटीआईसी

सिटी रिपोर्टर | ग्वालियर

घर के गार्डन में पौधे लगाने के बाद सूख क्यों जाते हैं, फलदार पौधे क्यों समय पर फल नहीं देते और भविष्य में किस मिट्टी में किस प्रकार की खेती की जानी चाहिए। इन सभी से जुड़ी तकनीकी जानकारी अब शहरवासियों को आसानी से मिल सकेगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ग्वालियर में प्रदेश का दूसरा एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन सेंटर (एटीआईसी) बनाने जा रहा है। यह सेंटर राजमाता विजयाराजे सिंधिया एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में खुलेगा। अभी प्रदेश का एक मात्र सेंटर जबलपुर की जवाहर लाल नेहरू एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में है। इसके शहर में शुरू होने से स्थानीय के साथ-साथ प्रदेशभर के लोगों को फायदा मिलेगा। इसमें एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट की टीम रोजाना शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को गार्डन, खेती की आधुनिक तकनीक के बारे में बताएगी। इसके अलावा इस कैंपस में प्रजेंटेशन सेल भी रहेगी। इसमें एग्रीकल्चर वेस्ड प्रोडक्ट को डिस्प्ले किया जाएगा। इस सेंटर में व्यापारी आएंगे, उनको संबंधित प्रोडक्ट की जुड़ी जानकारी दी जाएगी।

एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में प्रोजेक्ट पर चर्चा करते संस्थान की फैकल्टी।

एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में एटीआईसी का काम शुरू कर दिया गया है। यह 3 महीने में काम करना शुरू कर देगा। यह प्रदेश का दूसरा सेंटर होगा, जिसमें लोग एग्रीकल्चर से जुड़ी जानकारी निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा एग्रीकल्चर से जुड़ी किताबें भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

- डॉ. सुधीर सिंह भदौरिया, प्रभारी एटीआइसी ग्वालियर

जुलाई तक पूरा होगा काम

इस सेंटर के लिए यूनिवर्सिटी ने जमीन चिह्नित कर काम करना शुरू कर दिया है। यह सेंटर एक मंजिल का रहेगा, जिसमें प्रजेंटेशन रूम के अलावा एक हेल्प डेस्क रहेगी। इसके अलावा मिट्टी परीक्षण केंद्र सहित एक सेमिनार हॉल भी रहेगा। यह काम करीब 3 महीने में पूरा हो जाएगा और जुलाई से सेंटर काम करना शुरू कर देगा।

सेमिनार और वर्कशॉप भी होंगे

इस सेंटर में एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से समय-समय पर सेमिनार और वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। इनमें एक्सपर्ट नई तकनीक के साथ खेती को किस प्रकार बिजनेस का जरिया बना सकते हैं, इसके बारे में भी बताएंगे। इसके माध्यम से रोजगार के नए भी अवसर बढ़ेंगे।